Krishi Kumbh
Online E-Magazine
Www.KrishiKumbh.Com

कृषि कुंभ

E-ISSN: 2582-9769

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 05 भाग 03, (अगस्त, 2025)
पृष्ठ संख्या 28–30

डिजिटल इंडिया 2.0: ग्रामीण भारत की नई तस्वीर

मनीष कुशवाहा[1], डॉ. आर.एल.एस. सिकरवार[2], डॉ. नरेंद्र कुमार[3],
निहाल ओझा[4] एवं शुभेंदु सिंह[5]

[1]सहायक प्राध्यापक, अक्स विश्वविद्यालय, सतना, 485001
[2]निदेशक, भारतीय ज्ञान प्रणाली, अक्स विश्वविद्यालय, सतना–485001
[3]सहायक प्राध्यापक, पशुधन उत्पादन प्रबंधन,
पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय,
कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा, उत्तर प्रदेश 210001
[4]वरिष्ठ शोध अध्येता, कृषि विज्ञान विभाग, जोधपुर, कृषि विश्वविद्यालय
[5]पीएचडी स्कॉलर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, भारत।

Email Id: – manishkushwaha2@gmail.com

डिजिटल इंडिया 2.0 एक सशक्त पहल है जो भारत सरकार ने शुरू की है, जिसका लक्ष्य ग्रामीण भारत को डिजिटल रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। यह कार्यक्रम गांवों तक आधुनिक सुविधाएँ पहुंचाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। डिजिटल इंडिया के पहले दौर की सफलता के बाद, दूसरा दौर अब ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिजिटल शिक्षा, ई–स्वास्थ्य सेवाएं, ऑनलाइन बैंकिंग और ई–गवर्नेंस को अधिक से अधिक लागू करने पर केंद्रित है।

इस कदम से ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं तक आसानी से पहुँच मिल रही है, साथ ही उनके जीवन में पारदर्शिता, दक्षता और जागरूकता बढ़ रही है। नए भारत की डिजिटल रीढ़ में गांवों को बदलने का ठोस प्रयास है डिजिटल इंडिया 2.0।

1. डिजिटल परिवर्तन की नई लहरः

तकनीकी क्रांति की एक नई लहर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू हो चुकी है, जिसे डिजिटल इंडिया 2.0 कहा जाता है। अब हाई–स्पीड इंटरनेट, मोबाइल कनेक्टिविटी और स्मार्ट डिवाइसेज गांव–गांव तक पहुंच रहे हैं, जबकि पहले इंटरनेट और डिजिटल सेवाएं केवल शहरों तक सीमित थीं। लाखों गांवों में सरकार की भारतनेट परियोजना से ऑप्टिकल फाइबर जोड़ा गया है। इससे ग्रामीण भारत की कनेक्टिविटी बहुत बढ़ी है। अब किसान अपने खेतों में खड़े होकर ताजा बाजार देख सकते हैं, विद्यार्थी ऑनलाइन कोर्स कर सकते हैं, और छोटे उद्यमी पूरे देश में अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेच कते हैं।

डिजिटल सेवाओं की यह नई लहर लोगों की संभावनाओं, जीवनशैली और सोच को भी तेजी से बदल रही है। यह ग्रामीण भारत में तकनीकी जागरूकता और आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

2. ई–गवर्नेंस से पारदर्शिता

ई–गवर्नेंस, यानी इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस, डिजिटल इंडिया 2.0 के तहत सरकारी सेवाओं को पारदर्शी, सुलभ और जवाबदेह बनाया है। अब लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का

लाभ लेने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। गांवों में रहने वाले लोग घर बैठे या अपने नजदीकी केंद्र से कई सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं, जैसे भूमि अभिलेख, जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र, पेंशन आवेदन, राशन कार्ड, वोटर आईडी, बिजली बिल भुगतान, आदि। इससे सरकारी सेवाओं में व्यय, खर्च और भ्रष्टाचार में बहुत कमी आई है। अब लाभार्थी सीधे क्ठज (Direct Benefit Transfer) के जरिए

CSC
e-GOVERNANCE SERVICES INDIA LIMITED

अपने खातों में अनुदान और मदद पा रहे हैं। ई–गवर्नेंस ने ग्रामीण प्रशासन को मजबूत किया है और आम लोगों का विश्वास बढ़ा है। यह डिजिटल लोकतंत्र को अधिक सक्षम और जनहितकारी बना रहा है।

3. शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार

डिजिटल इंडिया 2.0 ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं में काफी सुधार किया है। पहले गांवों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और विशेषज्ञ डॉक्टरों तक पहुँचना मुश्किल था, लेकिन अब ये सेवाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से घर–घर मिल रही हैं।

- **डिजिटल शिक्षा के लिए पहुँचः** ग्रामीण विद्यार्थी अब बड़े शहरों की तरह डिजिटल रूप से पढ़ाई कर सकते हैं, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन कक्षाओं और ई–शिक्षा ऐपों (जैसे क्पीं और SWAYAM) की मदद से। कई राज्य सरकारों ने ग्रामीण बच्चों को मोबाइल एप्स, रेडियो और टेलीविजन के माध्यम से शिक्षित किया है।
- **टेलीमेडिसिन और चिकित्साः** अब ग्रामीण लोग शहर के विशेषज्ञ डॉक्टरों से वीडियो कॉल पर परामर्श ले सकते हैं, क्योंकि CSC और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) के माध्यम से टेलीमेडिसिन सेवाएं उपलब्ध हैं। आयुष्मान भारत योजना और डिजिटल स्वास्थ्य पहचान पत्र (ABHA ID) ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक संगठित और किफायती बनाया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म भी गर्भवती महिलाओं की निगरानी, टीकाकरण और आपातकालीन चिकित्सा के लिए आसान बनाए हैं।

4. रोजगार के नए अवसर

डिजिटल इंडिया 2.0 ने ग्रामीण भारत में काम के पारंपरिक ढांचे को बदलकर एक नया डिजिटल परिदृश्य पेश किया है। गांव के युवा अब तक केवल खेत, पशुपालन या निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रहे हैं, बल्कि उन्हें तकनीक पर आधारित नई नौकरियां और स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

- **डिजिटल क्षमता और शिक्षाः** सरकार ग्रामीण युवा को डिजिटल मार्केटिंग, कंप्यूटर सीखने, डेटा प्राप्त करने, वेब डिजाइनिंग, ग्राफिक डिजाइन, वीडियो एडिटिंग के बारे में प्रशिक्षण दे रही है। इस दिशा में प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA) एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **ई–व्यापार और ऑनलाइन उद्यमिताः** Amazon, Flipkart, GeM और स्थानीय डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर अब किसान, कारीगर और महिला स्व–सहायता समूह अपने उत्पादों को बेच रहे हैं। अब वे बाजार, ग्राहक और बेहतर मूल्य पाते हैं।

- **काम सिर्फ गांव में–शहरों की संपत्तिः** अब ग्रामीण युवा फ्रीलांसिंग, डिजिटल सेवाओं, यूट्यूब चौनल, ब्लॉगिंग और ऑनलाइन ट्यूटरिंग जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और अच्छी कमाई कर रहे हैं। उन्हें डिजिटल मीडिया ने ''लोकल से वैश्विक'' की राह दिखाई है। साथ ही, यह प्रवासी पलायन को कम करने में भी सहायक हो रहा है।

5. महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम

डिजिटल इंडिया 2.0 ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में अवसरों, स्वावलंबन और आत्मविश्वास की नई शुरुआत की है। डिजिटल उपकरणों और सेवाओं ने महिलाओं को एक नई पहचान दी है– डिजिटल महिला उद्यमी. पहले, महिलाएं घरेलू काम और सीमित संसाधनों तक सीमित थीं।

- **डिजिटल साक्षरता के माध्यम से आत्मनिर्भरताः** अब महिलाएं सरकारी प्रशिक्षण और CSC केंद्रों से स्मार्टफोन, कंप्यूटर और डिजिटल ऐप्स का उपयोग करना सीख रही हैं। इससे वे न केवल खुद सेवा कर रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी मदद कर रहे हैं।
- **स्वरोजगार और ऑनलाइन उद्यमः** गांवों की महिलाएं अब विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपने बनाए उत्पादों (जैसे अचार, पापड़, मसाले, हैंडीक्राफ्ट्स, कपड़े) को बेच रही हैं, जैसे WhatsApp Business, Facebook मार्केट और अन्य। यह उन्हें वित्तीय रूप से स्वतंत्र बना रहा है।
- **सरकारी कार्यक्रमों तक सीधा पहुँचः** अब महिलाएं जनधन खाता, उज्ज्वला योजना, स्वास्थ्य बीमा, सुरक्षा बीमा और पोषण योजनाओं से सीधे लाभ ले रही हैं, जिससे उनकी सामाजिक स्थिति मजबूत हुई है।
- **रोल मॉडल की तरह विकसित होने वाली महिलाएंः** ग्रामीण महिलाएं अब दूसरी महिलाओं को प्रेरणा देते हुए CSC संचालिका, डिजिटल शिक्षिका, साइबर कैफे ऑपरेटर और ई–कॉमर्स उद्यमी बन चुकी हैं। यह बदलाव सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत है।

निष्कर्ष

डिजिटल इंडिया 2.0 ने ग्रामीण भारत में तकनीकी सशक्तिकरण का बीज बोला है। यह सिर्फ इंटरनेट और मोबाइल तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक बदलाव है, जो हर क्षेत्र (शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, प्रशासन और महिला सशक्तिकरण) में दिखाई दे रहा है। डिजिटल भारत की नींव जहां पहले गाँवों को सूचना और सेवाओं से वंचित रहना पड़ा था, वहीं से मजबूत हो रही है। अब किसान जानकार बन रहे हैं, महिलाएं उद्यमिता की ओर बढ़ रही हैं और युवा गांव में रहकर ही दुनिया से जुड़ रहे हैं। डिजिटल इंडिया 2.0 ने ग्रामीण भारत को "सहभागी नेता" बनाने में क्रांतिकारी योगदान दिया है। इस अभियान का लक्ष्य है कि भारत में हर व्यक्ति डिजिटल रूप से सक्षम, आत्मनिर्भर और सशक्त होगा।

''जहाँ गांव डिजिटल बना, वहीं से भारत आत्मनिर्भर बना''

या

''डिजिटल गांव – समृद्ध राष्ट्र की पहली सीढ़ी''